

ON USES OF A DRAWING BOARD AND
SCALES IN TRIGONOMETRY AND
NAVIGATION.*

It may seem a little strange that any one should think it worth while to call special attention to a drawing board and scales as a means of solving spherical triangles and a few somewhat similar problems. For, accurate results can be obtained through simple computations and rough results by aid of suitable diagrams

Suppose the dimensions of the drawing board to be about 22 by 40 inches. Let it be trimmed, as it were, with a metallic border three margins of which are divided into degrees and fractions of degrees so as to form a large rectangular protractor, as sketched in Fig. 1. The border of the fourth side may be graduated uniformly from its center, where is situated a pivot or pin about which the scales may revolve.

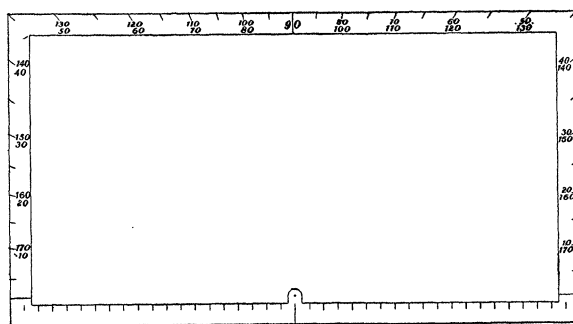


FIG. 1.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	149
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

uniformly graduated scales, which are especially useful in problems involving plane trigonometry, and a set of scales of meridional parts for various latitudes, each scale representing, say, 10 degrees of latitude. In all cases the scales must be straight and beveled on their edges. It is supposed that we have also a T-square with a uniformly graduated blade.

RIGHT SPHERICAL TRIANGLES.

By means of the board and scales we can find such products as $\cot b \times \tan c$ by laying off $\cot b$, according to the scale labeled $\cot x$, along the base line of the protractor. Let a straight edge, turning about the

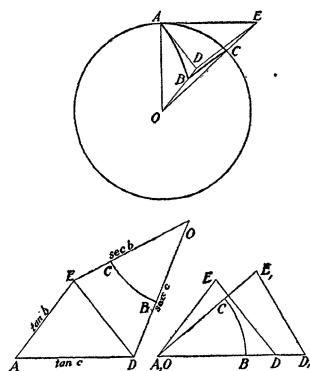


FIG. 3.

pivot, be directed toward value c on the margin. The T-square shows the line extending from the point where $\cot b$ was laid off to the straight edge. The distance is the product $\cot b \times \tan c$. By reading this distance on a scale $\cos x$, or double this distance on a scale $2 \cos x$ we obtain a certain angle which is the value of the angle A of a triangle right-angled at B . Napier's rules enable one to see at a glance what product is required and how it is to be read. Where tangents and cotangents are involved, the application of this method is, of course, somewhat restricted on account of the length of the scales.

SINE RATIOS IN SPHERICAL TRIANGLES.

If two of the three given parts of a triangle are opposites, the unknown part opposite the third given part becomes known through the equality of the sine ratios; viz.,

$$\sin A : \sin a = \sin B : \sin b = \sin C : \sin c,$$

or

$$\sin A \sin b = \sin B \sin a, \text{ etc.}$$

The process of mechanically solving such problems can be illustrated by taking a particular case or problem; given A, a, B to find b .

Find a on the scale labeled $2 \sin x$ and direct the scale (pivoted to the board) towards B as found on the margin of the

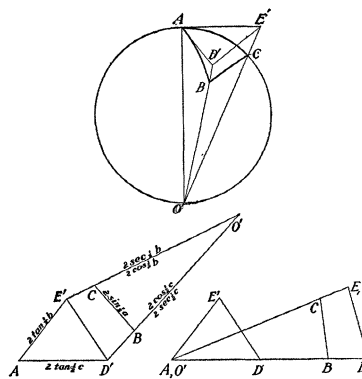


FIG. 4.

board; this locates a certain point. Next direct the scale towards A . Find on the scale as now directed a second point whose altitude is the same as that of the first. This is done by sliding the graduated T-square. The reading of the second point on the scale labeled $2 \sin x$ (still pivoted to the board) is the required side b .

RELATION BETWEEN THE THREE SIDES AND ONE ANGLE.

In treating the problem—given the three sides to find an angle, or given two sides and the included angle to find the remaining side—it is important to consider two

methods, or constructions, analogous, but differing somewhat from each other. The first may be referred to as the gnomonic method, and the second as the stereographic.

Let ABC , Fig. 3, be the spherical triangle. A plane tangent to the sphere at A contains the lines AD , AE , whose lengths are $\tan c$, $\tan b$. Imagine the triangle ODE revolved about DE into the plane ADE . In the plane quadrilateral $ADOEA$ thus obtained, $OD = \sec c$, $OE = \sec b$, $OB = OC = 1$; also arc $BC = a$, which measures the angle O .

Assume now that we have scales of tangents and secants. The quadrilateral constructed by aid of such scales and a protractor gives the angle A when a , b , c are the known parts, or a when A , b , c are known. In practice the quadrilateral is not actually constructed; but the work of finding the required unknown part of the triangle is arranged in accordance with the diagram in Fig. 3, which shows A and O as coinciding. More particulars about this arrangement may be gathered from the example.

Given the two sides b , c of a spherical triangle and the included angle A , find the side a by means of the above-described apparatus.

Lay off with the scale of tangents when pivoted to the drawing board a distance along the initial direction which reads c ; this fixes on the board the point D . Lay off towards A , as found on the margin of the board, a distance which reads b on the tangent scale; this fixes on the board the point E . On beam compasses set the distance DE , or mark it off upon a strip of paper. Next remove the scale of tangents and pivot to the board the scale of secants. Lay off on the secant scale, and beyond D , a distance which reads c ; this fixes the point D_1 . With the beam compasses centered at D_1 , describe an arc. Lay off on the secant scale, still pivoted to the board

(and revolving about O) a distance which reads b and note where it intersects the arc just drawn; this fixes the point E_1 . The angle read off on the margin of the board is the side a .

The same construction taken in a slightly different order serves for finding A where a , b , c are the known parts.

We now take up the stereographic method. The problems to be considered are the same as those to which the gnomonic method applies. The advantage of the stereographic method lies in the fact that $\tan \frac{1}{2} x$ does not approach infinity until x approaches 180° .

A plane tangent to the sphere at A , Fig. 4, contains the lines AD' , AE' whose lengths are $2 \tan \frac{1}{2} c$, $2 \tan \frac{1}{2} b$. Imagine the triangle $O'D'E'$ revolved about $D'E'$ into the plane $AD'E'$. In the plane quadrilateral $AD'O'E'A$ thus obtained, $O'D' = 2 \sec \frac{1}{2} c$, $O'E' = 2 \sec \frac{1}{2} b$, $O'B = 2 \cos \frac{1}{2} c$, $O'C = 2 \cos \frac{1}{2} b$ and line $BC = 2 \sin \frac{1}{2} a$.

With suitable scales and a protractor the quadrilateral $AD'O'E'A$ could be constructed and the required part of the spherical triangle could be thus determined; but the more practical arrangement is that shown in the figure where O' is made to fall upon A . Moreover, it is convenient to omit the factor 2 before tangents and secants.

Given b , c , A to find a by means of the above-described apparatus.

Lay off by means of the scale labeled $\tan \frac{1}{2} x$, pivoted to the drawing board, a distance along the initial direction which reads c ; this fixes a point D' . Lay off on this scale now directed towards A , as found on the margin of the board, a distance which reads b ; this fixes on the board a point E' . On beam compasses set the distance $D'E'$, or mark it off upon a strip of paper. Next remove the $\tan \frac{1}{2} x$ scale and pivot to the board the double scale shown in Fig. 2. Lay off with the

scale labeled $\sec \frac{1}{2} x$, and beyond D' , a distance which reads c ; this fixes a point D_1' . With the beam compasses centered at D_1' , describe an arc. Lay off on the $\sec \frac{1}{2} x$ scale, still pivoted to the board (and revolving about O'), a distance which reads b and note where it intersects the arc just drawn; this fixes a point E_1' . Along the directions AD_1' and AE_1' locate the points B , C by laying off distances which read c and b upon the scale labeled $2 \cos \frac{1}{2} x$. The reading of the distance BC upon the scale labeled $2 \sin \frac{1}{2} x$ is the value of the side a .

The same construction taken in a slightly different order serves for finding A when a , b , c are the known parts.

In passing, it may be well to note that plane trigonometry applied to the triangles ADE and OED gives

$$\begin{aligned}\overline{DE^2} &= \overline{AD^2} + \overline{AE^2} - 2\overline{AD} \overline{AE} \cos A \\ &= \overline{OD^2} + \overline{OE^2} - 2\overline{OD} \overline{OE} \cos a\end{aligned}$$

$$\therefore \tan^2 c + \tan^2 b - 2 \tan c \tan b \cos A = \sec^2 c + \sec^2 b - 2 \sec c \sec b \cos a.$$

Noting that $\sec^2 = 1 + \tan^2$ and multiplying through by $\cos b \cos c$, we have, after transposing,

$$\cos a = \cos b \cos c + \sin b \sin c \cos A.$$

The same equation follows from the second method by noting that

$$\overline{D'E'^2} = \overline{AD'^2} + \overline{AE'^2} - 2\overline{AD'} \overline{AE'} \cos A;$$

and

$$\overline{D'E'} : \overline{BC} = \sec \frac{1}{2} c : \cos \frac{1}{2} b$$

where $\overline{BC} = 2 \sin \frac{1}{2} a$, and later on that

$$2 \sin^2 \frac{1}{2} a = 1 - \cos a, \quad 2 \cos^2 \frac{1}{2} a = 1 + \cos a.$$

POLAR TRIANGLES.

Cases analogous to any of the above, but having sides and angles interchanged throughout, can be solved by the foregoing methods provided we first subtract all

known parts from 180° , interchanging capital and small letters, and then after having solved this polar triangle, subtract the parts from 180° , and finally interchange the capital and small letters.

APPLICATIONS.

The methods already described may be used to advantage in some classes of plane-table work. To obtain the azimuth of the sun by one mechanical solution of the triangle, it is necessary that the telescope of the alidade be supplied with a vertical circle. The direction of the sun could be ascertained by means of a good watch, but the spherical triangle would then have to be solved for two of its parts.

The azimuth and hour angle of the sun or other heavenly body can be obtained from an observed altitude with sufficient accuracy for enabling one to lay down a Sumner line at the assumed or dead-reckoning latitude, and for ascertaining the variation of the magnetic needle at sea.

Tables of sunrise and sunset can be computed with great facility by means of the stereographic method. In fact, the true zenith distance (BC) of the rising or setting body is a constant for all latitudes and dates. The distance between pole and zenith at any particular latitude is constant for all dates. (That is, D' , B and D_1' are fixed points for a given latitude, and about B , the zenith, a circle can be described with $2 \sin \frac{1}{2} a$ as radius.) Since the polar distance of sun or moon never exceeds 120° , scales of moderate length will suffice for all possible cases.

Consider now the question of great circle sailing. The distance and initial course between two points specified by their latitudes and longitudes require the solution for two parts of a triangle whose given parts are two sides and the included angle. The longitude and latitude of the

vertex involve the solution of a right-angled triangle for two of its parts.

Since it seems to be almost certain that a proposed great circle track will in reality be sailed as a series of rhumb lines each terminating in or near the great circle, the methods of Mercator sailing will still be found useful. By aid of a set of meridional scales, problems in Mercator sailing can be worked with great facility. For, the board, the uniformly divided scales, and the T-square constitute an ordinary traverse table, and the departure is readily converted into difference of longitude through the equation

$$\text{Diff. long.} = \frac{\text{merid. diff. lat.}}{\text{true diff. lat.}} \times \text{departure.}$$

To do this, suppose the meridional difference of latitude to be laid off upon a uniform scale rotating about the pin or pivot. Let the true difference be laid off along, or parallel to, the initial line. Rotate the former scale until the T-square indicates that the point representing meridional difference is directly above that representing true difference. Now slide the T-square along until a point in the initial line is reached which denotes the value of the departure. The reading of the rotated scale directly above this point is the difference of longitude.

In conclusion, it should be said that the aim has been to use the drawing board proper merely as a surface upon which to locate points or lines temporarily, the accuracy of the work depending upon the fact that the scales and border of the board are not subject to any considerable atmospheric or temperature changes. R. A. HARRIS.

SCIENTIFIC BOOKS.

Zoology: Descriptive and Practical. By BUEL P. COLTON, A.M. Boston, D. C. Heath & Co. 1903. Part I., Descriptive, pp. x + 375. Part II., Practical, pp. xvii + 204. Colton's 'Practical Zoology,' which was pub-

lished seventeen years ago, did excellent pioneer work as a laboratory guide for secondary schools. This useful hand-book, revised and amplified, now appears in connection with an excellent descriptive zoology.

In the latter the author introduces each of the larger groups of animals by a description of a typical example, treating of its morphological and physiological characteristics and paying especial attention to its habitat, movements, senses, capture of prey, taking of food and manner of self defense.

Naturally, Arthropods, and particularly Insects, have a prominent place at the beginning, followed by a brief account of the Annulata, a somewhat longer description of the Mollusca and an extended discussion of the Chordata. Thereupon the Protozoa, Porifera, Cœlenterata, Echinodermata, Platyhelminthes, Trochelminthes and Molluscoidea are taken up in the order given. This is an excellent practical arrangement on the whole, though it might have been still better to have placed the Annulata and Echinodermata last and thus have preserved the ascending order throughout each of the two sections, for the sake of avoiding those misconceptions which are wont to arise in the mind of the beginner, to whom position in a text-book has a profound significance.

The strongest feature of the book is its broad treatment of animal life, in other words, its natural history. The author has a keen sense of what is interesting. His style is simple and direct, and the book is thoroughly readable.

The author did not cease to do pioneer work when he published his 'Practical Zoology' seventeen years ago. In the present book he makes free use of 'tho,' 'thru,' 'thoro' and their various compounds, while 'celom,' 'cecum,' 'hemal' and a few other words have been stripped of superfluous letters. He does not attempt to set right names like Amœba, which are apparently protected by their Latin form, but one is surprised that 'cœlenterates,' 'diaphragm' and a few other terms should not have been pruned. Spelling reform has much in its favor, and it must be introduced